४५ दिनों तक चला महाआयोजन, ६६ करोड़ से अधिक ने किया पवित्र स्नान, उंच-नीच, जाति-पाति के बंधन टूटे

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 ने न सिर्फ आध्यात्मिकता की नई ऊंचाइयों को छुआ, बल्कि भव्यता और दिव्यता के मामले में भी दुनिया भर में एक अनूठा उदाहरण पेश किया। 45 दिनों तक चले इस महाआयोजन में 66 करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में स्नान कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया। योगी सरकार की मेहनत और केंद्र के सहयोग से प्रयागराज का कायाकल्प हुआ, जिसने इस बार महाकुम्भ को पहले से कहीं अधिक भव्य और दिव्य बना दिया। आम से लेकर खास तक, हर किसी ने इस पवित्र अवसर पर अपनी आस्था को साकार किया। सबसे खास बात ये रही कि महाकुम्भ की शुरुआत से पहले पीएम मोदी और सीएम योगी ने जिस एकता के महाकुम्भ का संकल्प लिया था, वो यहां साकार होता दिखाई दिया।

हम आपको बता दें कि 45 दिनों तक चले महाकुम्भ 2025 के महाआयोजन में 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान कर इतिहास बनाया। आज तक दुनिया भर में किसी एक आयोजन में इतने बड़े मानव समागम का कोई इतिहास नहीं है। यह संख्या भारत की आबादी का लगभग 50 फीसदी है, जबकि दुनिया के कई देशों की आबादी से कहीं ज्यादा है। इसके अलावा, महाकुम्भ 2025 में सभी 13 अखाड़ों की उपस्थिति रही, जिन्होंने तीनों अमृत स्नान में पुण्य डुबकी लगाकर परंपरा का निर्वहन किया। इन 13 अखाड़ों के साथ इनके अनुगामी अखाड़े भी सम्मिलित हुए, जिसमें जूना अखाड़े का अनुगामी अखाड़ा किन्नर अखाड़ा आकर्षण का केंद्र रहा। इन अखाड़ों ने महाकुम्भ की परंपरा के अनुसार दीक्षा कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन संपन्न किया। विभिन्न अखाड़ों ने महामंडलेश्वर समेत अन्य पदों पर नियुक्तियां भी कीं। हम आपको बता दें कि महाकुम्भ को इस बार भव्य और दिव्य बनाने के लिए योगी सरकार ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। 4000 हेक्टेयर में महाकुम्भ नगर को बसाया गया। पूरे मेला क्षेत्र को 25 सेक्टर में विभाजित किया गया। 12 किमी. में कई पक्के घाटों का निर्माण किया गया।

1850 हेक्टेयर में पार्किंग निर्मित की गई, जबकि 31 पांटून पुल, 67 हजार से ज्यादा स्ट्रीट लाइट्स, 1.5 लाख शौचालय और 25 हजार पब्लिक एकमोडेशन सुनिश्चित किए गए। योगी सरकार के द्वारा 7 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि खर्च की गई, जबकि केंद्र सरकार के सहयोग से कुल 15 हजार करोड़ रुपए से पूरे प्रयागराज का कायाकल्प किया गया। इसके अलावा, 45 दिनों में जहां 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु जुटे, जिसमें सर्वाधिक संख्या अमृत स्नान और स्नान पर्वों पर रही। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा पर 1.70 करोड़, 14 जनवरी मकर संक्रांति पर 3.50 करोड़, 29 जनवरी मौनी अमावस्या को 7.64 करोड़, 3 फरवरी बसंत पंचमी को 2.57 करोड़, 12 फरवरी माघ पूर्णिमा को 2.04 करोड़ और 26 फरवरी महाशिवरात्रि को 1.53 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु रिकॉर्ड किए गए। 15 फरवरी से 26 फरवरी तक एक भी दिन ऐसा नहीं रहा, जब संख्या एक करोड़ से कम रही हो। हम आपको बता दें कि महाकुम्भ में आम हो या खास हर किसी ने डुबकी लगाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस महाआयोजन में पवित्र स्नान करने के लिए पहुंचीं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी यहां पहुंचकर पावन स्नान किया। इनके अतिरिक्त विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, गवर्नर, केंद्रीय मंत्रियों, विधानसभा के सभापति, एलजी और राज्य मंत्रियों ने भी संगम में पहुंचकर डुबकी लगाई। हम आपको यह भी बता दें कि इस महाकुम्भ में उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों की मंत्रिमंडल की बैठकें भी संपन्न की गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रि परिषद की बैठक में यूपी के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक के बाद सीएम योगी की अगुवाई में सभी मंत्रियों ने संगम में डुबकी भी लगाई। इसी तरह राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अगुवाई में मंत्रिपरिषद ने स्नान करने के बाद बैठक आयोजित की थी। इसके अलावा विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री अपने समूचे मंत्रिमंडल के साथ यहां स्नान करने पहुंचे।

प्रयागराज पहुंचे योगी ने सफाई कर्मियों के लिए किया १० हजार रुपये बोनस का एलान

प्रयागराज । 45 दिनों तक चले महाकुंभ के समापन के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रयागराज में महाकुंभ में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस देने की घोषणा की। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार यह सुनिश्चित करने जा रही है कि अप्रैल से सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन 16,000 रुपये प्रदान किया जाएगा और अस्थायी स्वास्थ्य कर्मचारियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा।

योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रयागराज में महाकुंभ में सफाई और स्वास्थ्य कर्मियों को 10,000 रुपये का बोनस देने का फैसला किया है। हम यह सुनिश्चित करने जा रहे हैं कि अप्रैल से सफाई कर्मियों को 16,000 रुपये का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा। अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा, जिससे बेहतर कल्याण और सहायता सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना से जोड़कर सभी कर्मचारियों को जन आरोग्य बीमा का लाभ मिलेगा। योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन में उनकी भूमिका के लिए प्रयागराज में स्वच्छता और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया, स्वच्छ कुंभ कोष और आयुष्मान योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए और बाद में उनके प्रयासों को स्वीकार करने के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए।

इससे पहले दिन में सीएम योगी और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने प्रयागराज के अरैल घाट पर सफाई अभियान में भाग लिया।

संभल में जामा मस्जिद की होगी रंगाई-पुताई? हाईकोर्ट ने दिया बड़ा निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा रमजान से पहले मस्जिद की पेंटिंग की निगरानी के लिए तीन सदस्यीय समिति को निर्देश देने के बाद संभल में शाही जामा मस्जिद क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों, एक वैज्ञानिक विशेषज्ञ और एक स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि के एक पैनल को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया कि मस्जिद को संरचनात्मक नुकसान पहुंचाए बिना काम किया जाए। उच्च न्यायालय ने शाही जामा मस्जिद, संभल की प्रबंधन समिति द्वारा दायर एक याचिका पर फैसला सुनाया, जिसमें मस्जिद की तैयारी के काम के संबंध में उत्तरदाताओं की आपत्तियों को चुनौती दी गई थी। एकल–न्यायाधीश पीठ ने अपने आदेश में दर्ज किया कि पक्षों के बीच समानता को संतुलित करने के लिए, रमजान के पवित्र महीने के दौरान सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना महत्वपूर्ण था। फैसले की घोषणा के बाद, एएसआई की ओर से पेश वकील ने अदालत से यह उल्लेख करने का आग्रह किया कि एएसआई टीम के सदस्यों को सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। हालाँकि, एकल–न्यायाधीश पीठ ने अनुरोध को इस आधार पर खारिज कर दिया कि यह अनावश्यक था।

निर्मला सीतारमण एक मार्च को सिविल लेखा दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक मार्च को 49वें सिविल लेखा दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगी। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) पर 'भारत में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन का डिजिटलीकरणरू परिवर्तनकारी दशक (2014–24)' शीर्षक से एक सार–संग्रह भी जारी किया जाएगा।

पीएफएमएस, लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के संगठन द्वारा डिजाइन, विकसित और क्रियान्वित किया गया है। यह भुगतान, रसीद, लेखांकन, नकदी प्रबंधन और वित्तीय रिपोर्टिंग सहित सरकार के वित्तीय प्रशासन के लिए प्रमुख आईटी मंच है। सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली ने सरकार के प्रमुख सार्वजनिक व्यय प्रबंधन सुधारों में से एक, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के संचालन के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान किया है। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतरू अगला दशक' विषय पर अपने विचार रखेंगे। सार्वजनिक वित्तीय प्रशासन में एक महत्वपूर्ण सुधार के बाद 1976 में भारतीय सिविल लेखा सेवा (आईसीएएस) की स्थापना की गई थी।

मैं जन्मजात कांग्रेसी, भाजपा में जाने की अटकलों पर बोले शिवकुमार

बंगलोर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भाजपा में जाने की किसी भी योजना से जोरदार इनकार किया। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ मीडिया और सोशल मीडिया में देखा है, और मेरे दोस्त फोन करके मुझसे पूछ रहे हैं कि क्या मैं भाजपा के करीब आ रहा हूं। उन्होंने तमाम अटकलों को खारिज करते हुए साफ तौर पर कहा कि मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं। शिवकुमार की प्रयागराज में महाकुंभ मेले की यात्रा, जहां उन्होंने अपने परिवार के साथ त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया, ने संभावित बदलाव की अफवाहों को हवा दी।

कांग्रेस के भीतर कुछ लोगों ने इसे एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा, जबकि भाजपा समर्थकों ने राजनीतिक पुनर्गठन के बारे में अनुमान लगाया। इन दावों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया, "महाकुंभ में आना मेरी आस्था है और मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं। ऐसी अटकलें मेरे करीब भी नहीं फटकतींय मैं बीजेपी के आरोपों को गंभीरता से नहीं लेता।श इन अफवाहों का समय कर्नाटक कांग्रेस के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष से मेल खाता है। शिवकुमार के समर्थक मुख्यमंत्री पद के लिए उनकी आकांक्षाओं के बारे में मुखर रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने नेतृत्व पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। सिद्धारमैया द्वारा हाल ही में चुनिंदा दलित और अनुसूचित जनजाति (एसटी) कैबिनेट सहयोगियों के लिए रात्रिभोज की मेजबानी के बाद अटकलों को और बल मिला।

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

सूचना

सामानों, कार्यों एवं सेवाओं के क्रय हेतु सीआईएल एवं इसकी सहायक कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/संबंधित सहायक कंपनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी ये क्रय उपलब्ध है।
R-5242

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई, पांच नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

चंडीगढ। हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं‍ कार्यकर्ताओं से संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है। जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था। 19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले श्पार्टी विरोधीश गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया।निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष तरलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा, गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं।

श्रीलंका से रिहा किए गए भारत के २७ मछुआरे

नई दिल्ली। श्रीलंका से रिहा किये गये भारत के 27 मछुआरे तमिलनाडु पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंका की नौसेना ने समुद्री सीमा रेखा को पार करने के आरोप में इन मछुआरों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि इन मछुआरों को हवाई मार्ग से बुधवार को भारत पहुंचाया गया।

श्रीलंका के कोलंबो में स्थित भारतीय उच्चायोग ने मछुआरों की स्वदेश वापसी में मदद की। तमिलनाडु की सरकार ने मछुआरों की घर वापसी के लिए वाहनों की व्यवस्था की थी। मछुआरे दिसंबर में रामेश्वरम से रवाना हुए थे, लेकिन समुद्री सीमा पार करने के आरोप में श्रीलंकाई अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

COM/C/G/R/E-auction/25/ Dt. 25.02.2025

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी समय	
01	डल्लीराजहरा रेलवे स्टेशन पर दो पहिया एवं चार पहिया वाहन स्टैंड के लिए निविदा।	11.03.2025	15.00	15.30
02	भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन पर दो एवं चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड हेतु निविदा।	12.03.2025	15.00	15.30
03	भिलाई स्टेशन पर टिकट काउंटर पर 01 डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम स्क्रीन की स्थापना के लिए विज्ञापन अनुबंध के लिए निविदा।	12.03.2025	12.00	12.40
04	कुम्हारी स्टेशन पर टिकट काउंटर पर 02 डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम स्क्रीन की स्थापना के लिए विज्ञापन अनुबंध के लिए निविदा।	12.03.2025	12.00	12.30

सभी ई-नीलामी अधिसूचना का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर डाउनलोड किया गया है।

मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक
द.पू.म. रेलवे/ रायपुर

पीआर/आर/सी.डीसीएम/एएन/253

कुंभ जल विवाद पर बोले रविशंकर-गंगा बैक्टीरिया को पनपने नहीं देती

नई दिल्ली। आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर ने कहा कि लोगों की भक्ति के कारण ही करोड़ों लोग महाकुंभ में आए, जिसका समापन बुधवार को हुआ। उन्होंने कहा कि यह भारत की समृद्ध विविधता और आध्यात्मिक संपदा को दर्शाता है। इंडिया टुडे के राजदीप सरदेसाई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, रविशंकर ने प्रयागराज में पानी में पाए गए उच्च फेकल कोलीफॉर्म के विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने पाया है कि गंगा दुनिया के सबसे मजबूत जल निकायों में से एक है। आर्ट्स ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक रविशंकर ने कहा, ष्मुझे केवल तीन चीजें दिखाई देती हैं जो करोड़ों भक्तों को प्रेरित करती हैं – आस्था, आस्था और आस्था। यह लोगों की भक्ति है जो उन्हें प्रेरित करती है। यह त्योहार भारत के मानस में गहराई से समाया हुआ है।ष 12 वर्षों के बाद आयोजित होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम माने जाने वाला महाकुंभ बुधवार को संपन्न हो गया, जिसमें 13 जनवरी से अब तक 67 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं।

दुनिया भर में लाखों अनुयायियों वाले आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि पवित्र स्नान करना ष्आत्मा को उच्च चेतना की ओर ले जानेष का एक तरीका है। उन्होंने कहा, ष्एक डुबकी आपको अपने वास्तविक स्वरूप में वापस ला सकती है। पवित्र स्नान करना आत्मा को उच्च चेतना की ओर ले जाने, अतीत को माफ करने और अतीत को भूलकर वर्तमान में आने का एक तरीका है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट पर विवाद पर टिप्पणी करते हुए, जिसमें गंगा में श्फेकल कोलीफॉर्मश बैक्टीरिया के खतरनाक स्तर पाए गए थे, रविशंकर ने कहा कि नदी अपनी ष्स्व–शुद्धिकरण क्षमताओंष के लिए जानी जाती है।

उन्होंने कहा, वैज्ञानिकों ने गंगा के पानी पर प्रयोग करके बताया है कि यह सबसे मजबूत पानी है जो खुद को शुद्ध करता है और इसमें बैक्टीरिया नहीं पनपने देता। इसमें कुछ मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार पानी की गुणवत्ता बहुत ही अद्भुत है और यह हमारी सहस्राब्दियों से चली आ रही मान्यताओं को प्रमाणित करती है। आध्यात्मिक नेता ने कहा कि पहले लोग और राजनीतिक नेता कुंभ में आते थे और ष्छिपकरष डुबकी लगाते थे। उन्होंने कहा, ष्उन्हें बहुत शर्म आती थी। हम अपनी जड़ों का सम्मान नहीं कर रहे थे। अब वह खत्म हो गया है। हम गर्व से घोषणा कर रहे हैं कि हम कौन हैं। हम खुद के प्रति ईमानदार हैं, वह बेईमानी, वह छल, वह पाखंड खत्म हो गया है।

मणिपुर के छह जिलों में लोगों ने १०४ हथियार पुलिस को सौंपे

इंफाल। हिंसा प्रभावित राज्य मणिपुर के छह जिलों में लोगों ने कुल 104 हथियार और गोलाबारूद पुलिस को सौंपा। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये हथियार बुधवार को कांगपोकपी, इम्फाल–पूर्व, बिष्णुपुर, थौबल, इम्फाल–पश्चिम और काकचिंग जिलों में सौंपे गए। प्रशासन द्वारा हथियार सौंपने के लिए सात दिन का समय दिया गया था जिसके समाप्त होने से एक दिन पहले यह हथियार पुलिस को सौंपे गये। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य की जनता से अपील की थी कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से सात दिनों के भीतर पुलिस को सौंप दें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया था कि इस अवधि में हथियार सौंपने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

उत्कल मेल प्रकाशनी प्रा. लि. की ओर से पीतवास मिश्र द्वारा महावीर प्रिंटर्स, सी/२३/१, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राउरकेला-७६९००४ से मुद्रित व प्रकाशित.

प्रधान संपादक
श्रीमती रीता मिश्र

सम्पादक
डॉ. पीतवास मिश्र

संयुक्त सम्पादक
डॉ. सुशील दाहिमा

प्रबंध सम्पादक
मनस्विनी मिश्र

संपादकीय कार्यालय
सी-२३/१, इंडस्ट्रीयल इस्टेट,
राउरकेला - ७६९०१२, ओड़िशा
फोन : २४०१९४९ (कार्यालय)
फैक्स : (०६६१) २४०१३३२
E-mail
utkalmailnews@gmail.com

1956 ई. के रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर्स (सेंट्रल) नियमानुसार

घोषणा-पत्र

(फार्म 1 धारा-8)

समाचार पत्र का नाम	-	उत्कल मेल
भाषा	-	हिन्दी
प्रकाशन का स्थान	-	सी/23/1, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राउरकेला-769012 (ओडिशा)
प्रकाशन का समय	-	प्रातः
मुद्रक का नाम	-	डॉ. पीतवास मिश्र
राष्ट्रीयता	-	भारतीय
पता	-	ए/8, कामर्शियल इस्टेट, सिविल टाउनशिप, राउरकेला-12
प्रकाशक	-	डॉ. पीतवास मिश्र
राष्ट्रीयता	-	भारतीय
पता	-	ए/8, कामर्शियल इस्टेट, सिविल टाउनशिप, राउरकेला-12
संपादक का नाम	-	डॉ. पीतवास मिश्र
राष्ट्रीयता	-	भारतीय
पता	-	ए/8, कामर्शियल इस्टेट, सिविल टाउनशिप, राउरकेला-12
स्वत्वाधिकारी का नाम व पता	-	उत्कल मेल प्रकाशनी प्राइवेट लिमिटेड, ए/8, कामर्शियल इस्टेट, सिविल टाउनशिप, राउरकेला-12

मैं, पीतवास मिश्र एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त विवरण मेरे विचार से सत्य है.

ह/-
डॉ. पीतवास मिश्र
प्रकाशक, उत्कल मेल

दि. 28.02.2025